अंतरयुद्ध काल (1919–1939) में राष्ट्रवाद, अल्पसंख्यक प्रश्न और पूर्वी यूरोप का पुनर्गठन
Nationalism, Minority Question and Reconstruction of Eastern Europe in the Inter-War Period (1919–1939)

1. “राष्ट्रीय आत्मनिर्णय” की अवधारणा

अमेरिकी राष्ट्रपति Woodrow Wilson ने “Self-Determination” का सिद्धांत दिया।

लेकिन यह सिद्धांत व्यवहार में चयनात्मक रूप से लागू हुआ।

पोलैंड, चेकोस्लोवाकिया, यूगोस्लाविया जैसे नए राष्ट्र बने।

समस्या:

सीमाएँ जातीय आधार पर स्पष्ट नहीं थीं।

नए राष्ट्रों में अल्पसंख्यक समुदाय असंतुष्ट रहे।

जर्मन अल्पसंख्यक (Sudeten Germans) बाद में नाजी विस्तारवाद का आधार बने।

2. पूर्वी यूरोप में अस्थिर लोकतंत्र

कमजोर संसदीय परंपरा

कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था

सैन्य तख्तापलट

उदाहरण:

पोलैंड (Pilsudski शासन)

हंगरी (Horthy शासन)

3. इतिहासलेखन

मार्क मज़ोवर का तर्क: पूर्वी यूरोप में लोकतंत्र की जड़ें कमजोर थीं।

एरिक हॉब्सबॉम: राष्ट्रवाद आधुनिक पूंजीवादी संकट की प्रतिक्रिया था।

👉 निष्कर्ष: अंतरयुद्ध काल में यूरोप की राजनीतिक पुनर्रचना अस्थिर नींव पर खड़ी थी।